एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्

(एकल अभियान ट्रस्ट से संबधित)

विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक शिक्षा संगठन

एकल संदेश

महिला समिति

जुलाई – सितंबर 2021

आप सभी को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

छटा संस्करण

शिक्षित भारत

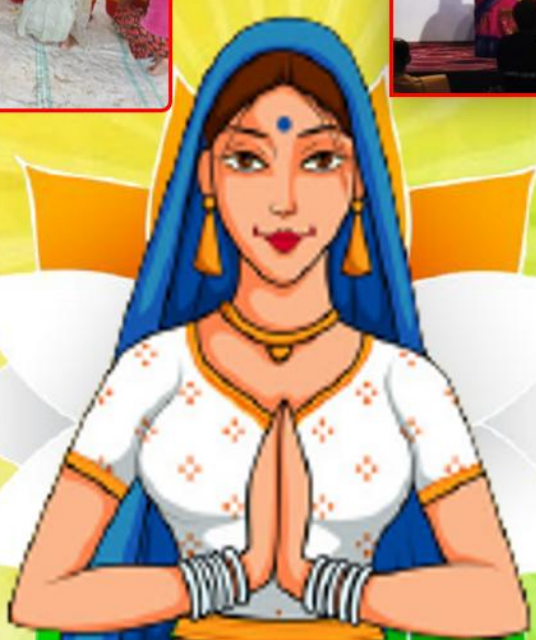

समर्थ भारत

अब महिला सशक्तिकरण के सपने को पूरा करना है, और तरक्की के राह पर आगे बढ़ना है।

वार्षिक समन्वय बैठक, जम्मू

EBLSP मातृशक्ति की एक झलक

महिला समिति अपनी कार्यप्रणाली एवं योगदान के कारण दिन ब दिन लोकप्रिय होती जा रही है| एकल विद्यालय से जुड़ने और मिलकर कार्य करने को लेकर बहनों के मन में जिस तरह का उत्साह बना हुआ है उसे देखकर लगता है कि वो दिन दूर नही जब एकल अभियान अपनी पंचमुखी शिक्षा का लक्ष्य पूर्ण कर लेगा और हमारे गांवों के सभी बच्चें शिक्षित होंगे और ग्रामीण लोग आरोग्य प्रशिक्षित एवं स्वावलंबी बनकर अच्छे से अपना जीवन यापन कर सकेंगे I पंचमुखी शिक्षा और महिला सशक्तिकरण में अभूतपूर्व योगदान देने की वजह से महिला समिति एकल की शक्ति के रुप में उभर कर आई है जिससे एकल के लिए स्नेह और गहरा हो गया है I केंद्रीय महिला समिति के साथ साथ देशभर के सभी चैप्टर्स की बहनें नई ऊर्जा एवं जोश से आगे बढ़ते हुए पूरे ग्रामीण एवं आदिवासी समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही हैंI राष्ट्रीय महिला समिति द्वारा ग्राम संगठन एवं नगर संगठन में समिति प्रभारियों की नियुक्ति की जा रही है एवं उनसे नियमित रूप से सम्पर्क कर गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होती जा रही है । सभी चैप्टर्स की महिला समितियों के सदस्यों को मार्गदर्शन एवं संगठन में होने वाली गतिविधियों से अवगत कराने हेतु समन्वय समिति में जोड़ने का कार्य किया जा रहा है | महिला समिति पुरुष वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण की ओर तेज़ी से अग्रसर कर रही है | समिति का नया उद्देश्य है युवा पीढ़ी को जोड़ना | एकल युवा महिला टीम तैयार करना | हाल ही के त्यौहार, कार्यक्रमों में बहूँ बेटियों ने बहुत उत्साह के साथ बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और यह भाव जगाया कि आगे चलकर वे एकल की कमान संभालने के लिए समर्थ हैं |

चैप्टर महिला समितियां

पूर्वी दिल्ली

(श्रीमती कुसुम दारुका जी)
अध्यक्षा
सदस्य – 16

पश्चिमी दिल्ली

(श्रीमती मंजू अग्रवाल जी)
अध्यक्षा
सदस्य – 42

उत्तरी दिल्ली

(श्रीमती साधना गुप्ता जी)
अध्यक्षा
सदस्य – 45

दक्षिणी दिल्ली

(श्रीमती वंदना मिंडा जी)
अध्यक्षा
सदस्य – 26

जम्मू चैप्टर

(श्रीमती कमला गुप्ता जी)
अध्यक्षा
सदस्य – 37

लखनऊ चैप्टर

(श्रीमती कविता अग्रवाल जी)
अध्यक्षा
सदस्य – 50

वाराणसी चैप्टर

(श्रीमती कमला गुप्ता जी)
अध्यक्षा
सदस्य – 19

कानपुर चैप्टर

(श्रीमती अनुराधा वार्ष्णेय जी)
अध्यक्षा
सदस्य – 50

रुद्रपुर चैप्टर

(श्रीमती नीतू अग्रवाल जी)
अध्यक्षा
सदस्य – 11

EBLSP की महिलाओं द्वारा किया गया कार्य

केंद्रीय महिला समिति

- गूगल मीट के माध्यम से ग्राम स्तर की जागरूकता
- वेस्ट इस नॉट वेस्ट (Waste Is Not Waste)
- गाँव में गुरु सम्मान समारोह
- जम्मू समन्वय बैठक एवं वनयात्रा
- स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम
- जन्माष्टमी उत्सव

पश्चिमी दिल्ली चैप्टर

- कोरोना के बाद कैसे रिकवर करें
- एकल ज्योति राम की
- कार्यकर्ता और उनके परिवारों के साथ लगातार संपर्क

उत्तरी दिल्ली चैप्टर

- योग दिवस
- एक्यूप्रेशर चिकित्सा कार्यक्रम
- तीज उत्सव कार्यक्रम
- वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं मासिक महिला समिति बैठक

पूर्वी दिल्ली और दक्षिणी चैप्टर चैप्टर

- हनुमान चालीसा पाठ
  चिकित्सा और चिकित्सक उपकरण
- कार्यक्रम कार्यकर्ता और उनके परिवारों के साथ लगातार संपर्क

जम्मू चैप्टर

- दवा, मास्क और सेनेटाइजर का वितरण
- सत्संग – 5
- छाता और भोजन वितरण
- गूगल मीट के माध्यम से ग्राम स्तरीय जानकारी

लखनऊ एवं रुद्रपुर चैप्टर

- आरोग्य प्रशिक्षण एवं वृक्षारोपण
- सैनिटाइजर, मास्क एवं भोजन वितरण
- टीकाकरण शिविर

वाराणसी चैप्टर

- वृक्षारोपण कार्यक्रम
- वनयात्रा

कानपुर चैप्टर

- सेनेटरी नेपकिन योजना
- सिलाई केंद्र -2
- ब्यूटिशियन कोर्स -15
- आचार्य पोषण वाटिका-50
- ओलिंपियाड किताबों का वितरण
- एकल समिति के साथ बैठक
  (पुस्तकालय के एक साल पुरे होने के सन्दर्भ में)
- वृक्षारोपण
- रक्षाबंधन
- पुस्तकालय

एकल की सशक्त समाज हेतु नई पहलें

संगीत शिक्षा

संगीत शैक्षणिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से बच्चों का दिमाग विकसित करने में मदद करता है | एकल के बच्चों के इस समग्र विकास हेतु भारत लोक शिक्षा परिषद् द्वारा संभाग उत्तर हिमाचल के ग्रामीण छात्रों को संगीत शिक्षा प्रदान करने हेतु एक पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से 7 अगस्त को इसका शुभारंभ भारत लोक शिक्षा परिषद् के ट्रस्टी श्री सुरेन्द्र कुमार जिंदल जी के सानिध्य में राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजीव अग्रवाल जी एवं संभाग की माँ श्रीमति माधुरी अग्रवाल जी की अध्यक्षता में हुआ | आचार्य विकास कुमार झा ग्रामीण इलाकों के बच्चों के मध्य संगीत की अलख जगाते हुए संगीत गुरु की भूमिका निभा रहे हैं | संगीत शिक्षा अभ्यास, टीम वर्क, आत्म अनुशासन, रचनात्मक और संचार कौशल को मजबूत बनाता है | यह कक्षा हर सप्ताह शनिवार को ऑन लाईन होना निश्चित हुई है जिससे ग्रामीण विद्यार्थियों को संगीत के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारने का सुअवसर प्राप्त होगा। संगीत के लाभों को पहचानते हुए संगीत शिक्षा को 10 संचों के अलावा धीरे धीरे पूरे देश के एकल छात्रों के बीच लाने का कार्य किया जा रहा है |

एकल गीता सार

एकल अभियान एवं इस्कॉन के संयुक्त प्रयास से 'वैल्यू एजुकेशन ओलंपियाड-2021' की शुरुआत की गई है जिसका उद्देश्य समाज को न्याय संगत, सत्य निष्ठा, ईमानदारी, परोपकारिता विश्वसनीयता के साथ सत्मार्ग पर चलाना एवं श्रीमद्भागवत गीता के गौरवशाली मूल्यों को समाज के सामने प्रस्तुत करना है| भगवत गीता के इन आदर्शों को बच्चों के अंदर बचपन से ही एकल विद्यालय के माध्यम से विकसित करके उनके चारित्रिक एवं नैतिक विचारधारा का विकास करना है|

गूगल फॉर्म

एकल विद्यालयों को तकनीकी रूप से सशक्त करने हेतु भारत लोक शिक्षा परिषद् द्वारा आचार्य गूगल फॉर्म एक नई पहल की शुरुवात की गई है | जिसका उद्देश्य आचार्यों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करना है जिससे वो बिना किसी विलम्ब के शीघ्र से शीघ्र विद्यालय व छात्र सम्बंधित कार्यों की जानकारी दे सकें और कोई भी समस्या आने पर शीघ्र समाधान निकला जा सके| इससे विद्यालयों की गुणवत्ता बढ़ेगी, बड़ा परिवर्तन आयेगा और तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ता हुआ देख ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़ना पसंद करेंगे| दान दाताओं को उनके विद्यालयों में क्या कार्य हो रहा है इसकी रिपोर्ट शीघ्र ही मिल जाएगी | इस दौर में ग्रामीण क्षेत्रों को तकनीकी से जोड़ने पर इन क्षेत्रों का विकास होगा, ग्राम से समाज और समाज से हमारा देश प्रगति की ओर तेजी से अग्रसर होगा |

एकल (बहनों) के अनुभव कथन

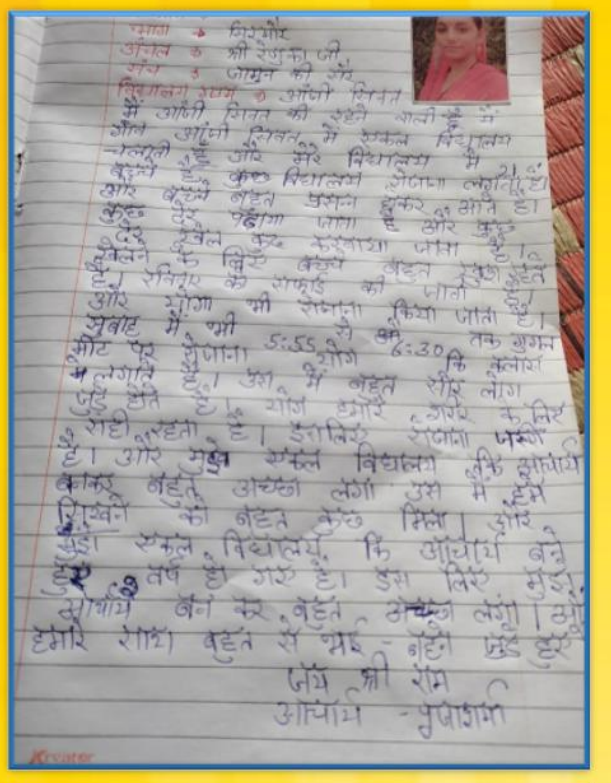

भाग - सिरमौर
अंचल - श्री रेणुका जी
संच - जामुन की धार
विद्यालय ग्राम - आंजी सिनत

मैं आंजी सिनत की रहने वाली हूँ। मैं गाँव आंजी सिनत में एकल विद्यालय चलाती हूँ और मेरे विद्यालय में बच्चे हैं। कुछ विद्यालय रोजाना लगता है और बच्चे बहुत प्रसन्न होकर आते हैं। कुछ देर पढ़ाया जाता है और कुछ देर खेल कूद करवाया जाता है। खेलने के लिए बच्चे बहुत खुश रहते हैं। रविवार को सफाई की जाती है और योगा भी रोजाना किया जाता है। सुबह में भी 5:55 से 6:30 तक गुगल मीट पर योगा कि क्लास में लगाते हैं। उस में बहुत सारे लोग जुड़े होते हैं। योग हमारे शरीर के लिए सही रहता है। इसलिए रोजाना जरूरी है। और मुझे एकल विद्यालय कि आचार्य बनकर बहुत अच्छा लगा उस में हमें सीखने को बहुत कुछ मिला। और मुझे एकल विद्यालय कि आचार्य बने हुए 3 वर्ष हो गए है। इस लिए मुझे आचार्य बन कर बहुत अच्छा लगा। और हमारे साथ बहुत से भाई-बहनें जुड़े हुए

जय श्री राम
आचार्य - पूजा शर्मा

संभाग - उत्तर हिमाचल
भाग - बिलासपुर
अंचल - बिलासपुर
संच - झण्डूता
विद्यालय ग्राम - सेपड़ी
विद्यालय कोड - BHHP31123o4
आचार्या - कुमारी रीना

* अनुभव कथन *

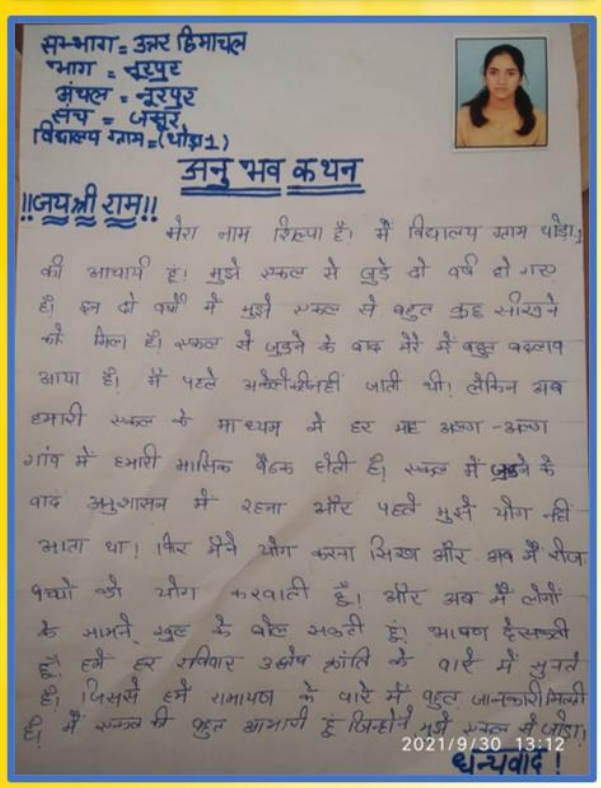

जय श्री राम जी

मैं कुमारी रीना विद्यालय ग्राम सेपड़ी की आचार्या हूँ मुझे एकल विद्यालय में पढ़ाते हुए तीन साल होने जा रहे हैं। मैं जब से इस विद्यालय से जुड़ी हूँ मुझे गाँव के लोगो के साथ प्रत्येक कार्य में सहायता मिलती हैं। एकल विद्यालय के माध्यम से मुझे पंचमुखी शिक्षा का ज्ञान प्राप्त हुआ और करोना जैसी भयानक बीमारी की रोकथाम की जानकारी भी मुझे एकल विद्यालय व एकल अभियान से मिली मैं गाँव में एकल विद्यालय के खुलने से बहुत खुश हूँ और बच्चों को पढ़ाने से मुझे एक गर्व सा महसुस प्राप्त होता है कि मैं भी किसी पद पर कार्यरत हूँ

आचार्या - कुमारी रीना

सम्भाग = उत्तर हिमाचल
भाग = नूरपुर
अंचल = नूरपुर
संच = जसूर
विद्यालय ग्राम = (धौड़ा 1)

अनुभव कथन

!!जयश्री राम!!

मेरा नाम शिल्पा है। मैं विद्यालय ग्राम धौड़ा की आचार्य हूं। मुझे स्कूल से जुड़े दो वर्ष हो गए हैं। इन दो वर्षों में मुझे स्कूल से बहुत कुछ सीखने को मिला है। स्कूल से जुड़ने के बाद मेरे में बहुत बदलाव आया है। मैं पहले अकेली कहीं नहीं जाती थी। लेकिन अब हमारी स्कूल के माध्यम से हर माह अलग-अलग गांव में हमारी मासिक बैठक होती है। स्कूल में जुड़ने के बाद अनुशासन में रहना और पहले मुझे योग नहीं आता था। फिर मैंने योग करना सिखा और अब मैं रोज बच्चों को योग करवाती हूँ। और अब मैं लोगों के सामने खुल के बोल सकती हूं। भाषण दे सकती हूं। हमें हर रविवार उद्योग क्रांति के बारे में सुनते हैं। जिससे हमें रामायण के बारे में बहुत जानकारी मिली है। मैं स्कूल की बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझे स्कूल से जोड़ा।

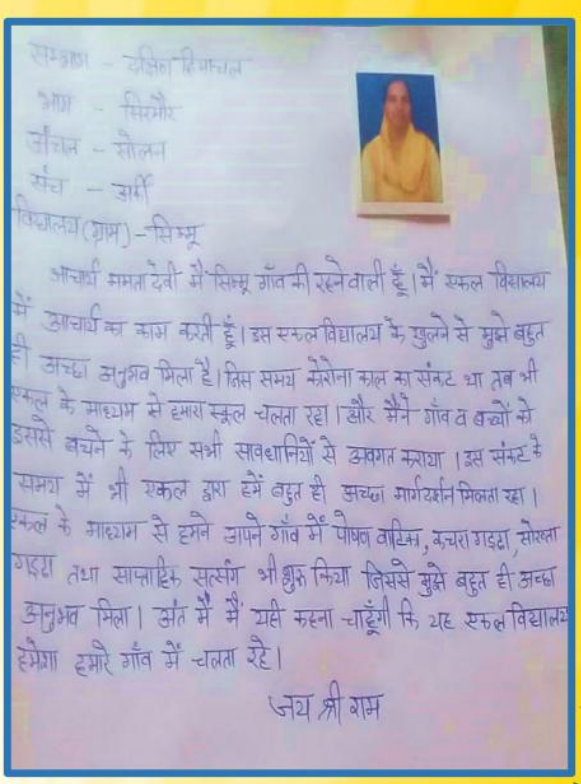

2021/9/30 13:12

धन्यवाद !

सम्भाग - दक्षिण हिमाचल
भाग - सिरमौर
अंचल - सोलन
संच - अर्की
विद्यालय (ग्राम) - सिम्मू

आचार्य ममता देवी मैं सिम्मू गाँव की रहने वाली हूँ। मैं एकल विद्यालय में आचार्य का काम करती हूँ। इस एकल विद्यालय के खुलने से मुझे बहुत ही अच्छा अनुभव मिला है। जिस समय कोरोना काल का संकट था तब भी एकल के माध्यम से हमारा स्कूल चलता रहा। और मैंने गाँव व बच्चों को इससे बचने के लिए सभी सावधानियों से अवगत कराया। इस संकट के समय में भी एकल द्वारा हमें बहुत ही अच्छा मार्गदर्शन मिलता रहा। एकल के माध्यम से हमने अपने गाँव में पोषण वाटिका, कचरा गड्ढा, सोख्ता गड्ढा तथा साप्ताहिक सत्संग भी शुरू किया जिससे मुझे बहुत ही अच्छा अनुभव मिला। अंत में मैं यही कहना चाहूँगी कि यह एकल विद्यालय हमेशा हमारे गाँव में चलता रहे।

जय श्री राम

एकल के बच्चों का अनुभव

भाग - सिरमौर
अंचल - श्री रेणुका जी
संच - जामन की सैर
विद्यालय ग्राम - कलीडीया

मैं कलीडीया का रहने वाला हूं। मै पॉचवी कक्षा मे पढ़ता हूं। मैं एकल विद्यालय मे भी पढ़ता हूं। एकल मे पढने से मुझे संस्कार के बारे मे जैसे प्रणाम करना, सुबह जल्दी उठकर प्रात: स्मरण और साफ-सफाई, योगा जैसी अच्छी बातो का ज्ञान हुआ। पहले हमे साफ-सफाई का पता था लेकिन संस्कारो, योगा से हम अपरिचित थे। यह सब हमने आचार्य दीदी से सीखा है वह हमे नित्य साफ-सफाई और यो करवाती है जो हमे बहुत अच्छा लगता है। हमे एकल विद्यालय से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। हमे एकल मे पढना बहुत अच्छा लगता है।

जय श्री राम जी
नाम हिमांशु

जय श्री राम जी

मैं मनिका देवी ग्राम चन्द्राहण की रहने वाली हूं मैं उस विद्यालय चन्द्राहण की छात्रा हूं और विद्यालय के पास मन्दिर है हम रोज अपने विद्यालय में दीदी जी के पास पढ़ने पढ़ने जाती थी लेकिन कोरोना महामारी के कारण हमें दीदी जी योगा करवाती है जैसे प्राणायाम अनुलोम विलोम, उल्टा लेटना यह सब आसन हम अपने विद्यालय में करते हैं! फिर हम अपने घर जाकर अपनी मम्मी और चाची जी को बताते हैं! की अनुलोम विलोम प्राणायाम करने से हृदय के रोगों से मुक्ति मिलती है! जैसे हमें दीदी जी ने कचरे गड्ढे के बारे में बताया कि कचरा इधर-उधर नहीं फैंकना चाहिए उसे कचरे गड्ढे में ही इस्तेमाल करना चाहिए हमें दीदी जी ने जैविक खेती और पोषण वाटिका के बारे में बताया और हमें दीदी जी ने बिमारियों से बचने के उपाय बताये हमें दीदी जी बताया की साबुन से हाथ धोकर विद्यालय में जाए एक दूसरे से दूरी बनाए रखे हाथों को बार-२ धोए हमें दीदी जी ने हनुमान चालीसा के बारे में भी बताया इसलिए मैं सुबह जल्दी उठती हूं सूर्य नमस्कार करती हूं : सभी को जय श्री राम बोलती हूं।

अंचल - आटल
भाग - शिमला
संच - पुरोला
विद्यालय ग्राम - रामा

मैं रामा की रहने वाली हूं मैं चौथी कक्षा की छात्रा हूं मैं एकल विद्यालय मे पढ़ती हूं एकल में पढ़ने में मुझे बहुत अच्छा अनुभव हुआ एकल में दीदी ने हमे योगा करते है और इसके लाभ भी बताते है हम खड़े होकर कुछ भी बोलने मे महसूस करते है लेकिन हम अब अच्छे से बात कर सकते है दीदी जी हमारे नाखून और शरीर की सफाई रोज देखती है जिस से अब हमें नाखुन और शरीर की सफाई की आदत पड़ गई है। मुझे एकल में पढ़ना अच्छा लगता

जय श्री राम जी

संभाग →: उत्तर हिमाचल
भाग →: नूरपुर
अंचल →: नूरपुर
संच →: बेइरवर
विद्यालय ग्राम →: धौलपुर II

अनुभव कथन

जय श्री राम,

मैं एकल विद्यालय धौलपुर II की लड़की हूं। मेरा नाम मेघना ठाकुर हैं। मुझे एकल विद्यालय में जाना बहुत अच्छा लगता हैं। क्योंकि एकल विद्यालय में हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता हैं। हमें संस्कार के बारे में बताते हैं। गट्टों में बैठकर पढ़ाई करना। योगा करना, खेल के माध्यम से हमें पढ़ाई करवाना। और हमें बाल गीत और खेलकूद भी करवाते हैं। और हमें अपने घर को और आसपास के गाँवो में सफाई के बारे में भी बताते हैं। हम सब बच्चे रोजाना पढ़ने जाते हैं। हमारी आचार्य दीदी जी हमें बहुत प्यार से पढ़ाती हैं।

धन्यावाद जी,
मेघना ठाकुर

प्रेरक प्रसंग

प्रसंग के अनुसार एक बार महाकवि कालिदास कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्हें प्यास लगी तो गांव के कुएं पर गए। वहां एक महिला पानी भर रही थी। कालिदास ने महिला से कहा कि मुझे प्यास लगी है, कृपया पीने के लिए पानी दे दीजिए। महिला ने कहा कि मैं आपको नहीं जानती हूं, कृपया अपना परिचय दीजिए। इसके बाद मैं पानी दे दूंगी।

कालिदास ने कहा कि मैं मेहमान हूं। महिला बोली कि आप मेहमान कैसे हो सकते हैं, संसार में दो ही मेहमान हैं, एक धन और दूसरा यौवन।

इस बात सुनकर कालिदास हैरान हो गए। उन्होंने कहा कि मैं सहनशील हूं।

महिला बोली कि आप सहनशील नहीं है, इस संसार में सिर्फ दो ही सहनशील हैं। एक ये धरती जो पापी और पुण्यात्माओं का बोझ उठाती है। हमें खाने के लिए अनाज देती है। दूसरे सहनशील पेड़ हैं, जो पत्थर मारने पर भी फल ही देते हैं।

कालिदास ने फिर कहा कि मैं हठी हूं। महिला बोली कि आप फिर झूठ बोल रहे हैं। हठी दो ही हैं। एक हमारे नाखून और दूसरे बाल। इन्हें बार-बार काटने पर भी फिर से बढ़ जाते हैं।

हारकर कालिदास ने कहा कि मैं मूर्ख हूं। इस पर महिला ने कहा कि मूर्ख भी दो ही हैं। एक राजा जो बिना योग्यता के भी सब पर राज करता है। दूसरे दरबारी जो राजा को खुश करने के लिए गलत बात पर भी झूठी प्रशंसा करते हैं।

अब कालिदास महिला के चरणों में गिर पड़े और पानी के याचना करने लगे। तभी महिला ने कहा उठो वत्स। कालिदास ने ऊपर देखा तो वहां देवी सरस्वती खड़ी थीं। देवी ने कहा कि शिक्षा से ज्ञान मिलता है, न कि घमंड। तूझे अपने ज्ञान का घमंड हो गया था। इसीलिए तेरा घमंड तोड़ने के लिए मुझे ये सब करना पड़ा।

कालिदास को समझ गए कि उन्होंने गलत किया है। देवी से क्षमा याचना की। देवी प्रसन्न होकर अंतर्ध्यान हो गईं। कालिदास भी पानी पीकर आगे बढ़ गए और इसके बाद उन्होंने कभी भी घमंड नहीं किया।

की कलम से

शिक्षा के बिना समाज का समावेशी विकास संभव नही है। एकल द्वारा आरोग्य प्रशिक्षण दिया जा रहा है एवं गांवों को स्वावलंबी बनाने का कार्य जोर शोर से किया जा रहा है। एक बात आप लोगों को और बताना चाहती हूं कि एक अंचल से एक संच को प्रगत संच बनाना है जिसमें शिक्षा, स्वस्थ, संस्कार, जागरण और स्वालंबन ये 5 आयाम हो और और वहां संच स्वावलंबी भी होना जो जरूरी है और एक कोशिश यह भी है कि बहने यह सब खर्चा स्वयं वहन करें।

जिस प्रकार हमारी भावी पीढ़ी इस अभियान से जुड़कर उत्साहित भाव जगा रही , ऐसा विश्वास हो गया है कि भविष्य में एकल की कमान सुरक्षित हाथों में ही होगी। मैं एकल से जुड़ी सभी बहनों का सहृदय धन्यवाद करती हूँ।

माधुरी अग्रवाल
उपप्रधान, राष्ट्रीय महिला समिति

समिति द्वारा मनाए गए त्यौहार

श्री कृष्ण जन्मोत्सव (19 अगस्त 2021)

राष्ट्रीय महिला समिति ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी का भव्य कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया | विभिन्न चैप्टर्स की महिलाओं ने कृष्ण लीला और रासलीला से सम्बंधित गीत संगीत एवं नृत्य की मनमोहक एवं उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दी| देश की माटी की सुगंध लिए एकल के नन्हे कान्हा और नन्ही राधा के रूप में बच्चों ने अपनी सुन्दर प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया | सोसल मीडिया पर इस कार्यक्रम की कुल रीच 13 लाख से अधिक रही

कृष्ण जन्मोत्सव का संचालन करतीं प्रधान श्रीमती सोनल रासीवासिया जी एवं उप प्रधान श्रीमती माधुरी अग्रवाल जी

हरियाली तीज (7 अगस्त 2021)

नार्थ दिल्ली चैप्टर ने तीज का कार्यक्रम उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया| बहनों ने पारंपरिक परिधान पहनकर एवं साज श्रंगार कर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए | कई खेल भी खेले जैसे तम्बोला, म्यूजिकल चेयर इत्यादि. सभी विजेताओं को आर्गेनिक हल्दी के पैकेट्स पुरस्कार स्वरुप दिए गए |

श्रीमती साधना गुप्ता जी, श्रीमति साधना गुप्ता जी सहित अन्य सदस्य

रक्षाबंधन

उप प्रधान श्रीमती माधुरी अग्रवाल जी एवं बहन श्रीमती पूनम अग्रवाल जी ने अंचल शामली के एकल कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों के साथ रक्षाबंधन का कार्यक्रम बड़ी उत्साह से मनाया गया|

कार्यकर्ताओं से राखी बंधवाती श्रीमती माधुरी अग्रवाल जी एवं श्रीमती पूनम अग्रवाल जी

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

केंद्रीय महिला समिति द्वारा आयोजन

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर उत्तर हिमाचल के 4 भागों की माँ माधुरी जी ने देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें एकल बच्चों, कार्यकर्ताओं एवं समिति की बहनों द्वारा प्रस्तुतियां दी गई | सैनिकों का सम्मान भी किया गया |

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

रुद्रपुर चैप्टर द्वारा आयोजन

रूद्रपुर चैप्टर ने उत्तराखंड के अंचल खटीमा के विद्यालय ग्राम विडौरा मझोला में 14 अगस्त 2021 को अखण्ड भारत दिवस मनाया जिसमें एकल विद्यालय के नन्हे-मुन्हे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व जनजाति समाज के बच्चों द्वारा थारु होली कार्यक्रम प्रस्तुत की गई।

विडौरा विद्यालय के बच्चों सहित आचार्य एवं कार्यकर्ताएं

जम्मू चैप्टर द्वारा बेटियों को पुरस्कृत किया गया

जम्मू चैप्टर से बहन वीना गुप्ता जी गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल नोवाबाद के स्वतंत्रता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं एवं 95 %, 99 % , 98 % अंक प्राप्त करने वाली 3 बेटियों को पुरुस्कार देकर उन्हें प्रोत्साहित किया |

गवर्नमेंट स्कूल की बेटी को पुरस्कृत करते हुए

नवरात्रि विशेष

माता की सवारी शेर क्यों?

एक धार्मिक (पौराणिक) कथा अनुसार माँ पार्वती नें भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। हजारों वर्षों तक चली इस कठोर तपस्या के फल स्वरूप माँ पार्वती नें शिवजी को तो पा लिया पर तप के प्रभाव से वह खुद सांवली पड़ गयी।

विनोद में एक दिन शिवजी नें माँ पार्वती को काली कह दिया, यह बात माँ पार्वती को इतनी बुरी लग गयी की उन्होने कैलाश त्याग दिया और वन गमन किया। वन में जा कर उन्होंने घोर तपस्या की। उनकी इस कठिन तपस्या के दौरान वहाँ एक भूखा शेर, उनका भक्षण करने के इरादे से आ चढ़ा। लेकिन तपस्या में लीन माँ पार्वती को देख कर वह शेर चमत्कारिक रूप से वहीं रुक गया और माँ पार्वती के सामने बैठ गया। और उन्हे निहारता रहा।

माँ पार्वती नें तो हठ ले ली थी की जब तक वह गौरी (रूपवान) नहीं हो जाएंगी तब तक तप करती ही रहेंगी। शेर भी भूखा प्यासा उनके सामने बरसों तक बैठा रहा। अंत में शिवजी प्रकट हुए और माँ पार्वती को गौरी होने का वरदान दे कर अंतरध्यान हो गए। इस प्रसंग के बाद पार्वती माँ गंगा स्नान करने गई तब उनके अंदर से एक और देवी प्रकट हुई। और माँ पार्वती गौरी बन गई और उनका नाम इसीलिए गौरी पड़ा। और दूसरी देवी जिनका स्वरूप श्याम था उन्हे कौशकी नाम से जाना गया।

स्नान सम्पन्न करने के उपरांत जब माँ पार्वती (गौरी) वापस लौट रही थीं तब उन्होने देखा की वहाँ एक शेर बैठा है जो उनकी ओर बड़े ध्यान से देखे जा रहा है। शेर एक मांस-आहारी पशु होने के बावजूद, उसने माँ पर हमला नहीं किया था यह बात माँ पार्वती को आश्चर्यजनक लगी। फिर उन्हे अपनी दिव्य शक्ति से यह आभास हुआ की वह शेर तो तपस्या के दौरान भी उनके साथ वहीं पर बैठा था। और तब माँ पार्वती नें उस शेर को आशीष दे कर अपना वाहन बना लिया।

वनयात्राओं का विवरण

20 एवं 21 सितंबर 2021 को राष्ट्रीय महिला समिति द्वारा जम्मू की 2 वनयात्राएं की गई जिसमें जम्मू व्यास कथाकार भजन भी किया गया |

1 अक्टूबर 2021 को राष्ट्रीय महिला समिति द्वारा श्रीनगर बारामुला-कुंजर की 2 वनयात्राएं की गई (भाग प्रमुख कार्यकर्ता परिवार मिलन)

Sponsor 1 student – 1 Year – Rs. 1000/-
Sponsor 1 Village – 1 Year – Rs. 22000/-

Donate online

Online payment through *Website* - *www.blspindia.org*
Through Debit Card/ Credit Card

Paytm online through website - *Paytm QR code*

Pay online through *NEFT/RTGS*

Bank Name: Union bank of India, Branch : Shalimar Bagh, Delhi
A/C Name: Bharat Lok Shiksha Parishad, **A/C NO.** 467902050000186, **IFSC code:** UBIN0546798

Donate Now

Crowd Funding Donation Link : https://rb.gy/jka5pj-

Follow us on

एकल अभियान से जुड़ने के लिए हमारी वेबसाइट www.blspindia.org पर सम्पर्क करें
एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु सम्पर्क करें -

Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C No: 467902050000186, Union Bank of India, IFSC Code : UBIN 0546798

प्रकाशक : एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्
मुख्य संपादक : श्रीमती माधुरी अग्रवाल (उपाध्यक्षा, चैप्टर डेवलपमेंट महिला समिति)
दूरभाष : 011–47523879, 42478184, 9999399063
जी आई–17, जी.टी. करनाल रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया, आजादपुर, दिल्ली–110033
Email : media@blspindia.org, administration@blspindia.org
Website : www.blspindia.org